RESEARCH PAPER | Education | Volume : 6 | Issue : 4 | April 2016 | ISSN - 2249-555X | IF : 3.919 | IC Value : 74.50

Linggat Bhinnata Ke Aadhaar Par Uchch Evm Nimn Aadhyatmik Buddhi Wale Adhyapak Shikshakon Kee Karyashailee Ka Adhyayan

KEYWORDS: लिंगगत भिन्नता, उच्च आध्यात्मिक बुद्धि, निम्न आध्यात्मिक बुद्धि, अध्यापक शिक्षक, कार्यशैली

नीरू कुमारी	डॉ. मुरलीधर मिश्रा	डॉ. महेश कुमार गंगल
शोध छात्रा, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान 304022	एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान 304022	एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान 304022

ABSTRACT प्रस्तुत शोध अध्ययन में लिंगगत भिन्नता के सन्दर्भ में उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि (आ.बु.) वाले अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली का अध्ययन किया गया है। अध्ययन के न्यादर्श में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के कुल 596 एवं जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के 93 अध्यापक शिक्षकों को चयनित किया गया। अध्यापक शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों की उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि को जानने के लिए स्वनिर्मित एवं प्रमापीकृत 'आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण' एवं उनकी कार्यशैली का मापन करने के लिए शर्मा (2008) द्वारा निर्मित 'कार्यशैली अनुसूची' का प्रयोग किया गया। शोध परिकल्पना के परीक्षण से यह निष्कर्ष निकलता है कि अध्यापक शिक्षकों की उत्तरदायित्वपूर्ण बनाम उत्तरदायित्व मुक्त कार्यशैली, क्षेत्र–स्वतंत्र बनाम क्षेत्र–आधारित कार्यशैली, लघु–सातत्य बनाम दीर्घ–सातत्य प्रधान कार्यशैली, अभिप्रेरणा–केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित कार्यशैली एवं इनके अतिरिक्त विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक कार्यशैली महिला अध्यापक शिक्षकों द्वारा और पुरूष अध्यापक शिक्षकों द्वारा वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताएँ उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से स्वतंत्र हैं, जबकि पुरूष एवं महिला अध्यापक शिक्षकों की नमनीय बनाम अनमनीय, वातावरण–सापेक्ष बनाम वातावरण–निरपेक्ष एवं, दृश्यात्मक बनाम श्रवणात्मक कार्यशैली; पुरूष अध्यापक शिक्षकों की विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक तथा महिला अध्यापक शिक्षकों की वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताएँ उनकी उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से स्वतंत्र नहीं हैं।

विभिन्न शोध कार्यों व अनुसंधानकर्ताओं ने यह स्पष्ट किया है कि एक अध्यापक जिस प्रकार का कार्य व्यवहार करता है और जिस प्रकार अपनी अभिव्यक्ति करता हैं। इस पर उसके प्रशिक्षण तथा अध्यापक शिक्षकों का विशेष प्रभाव पड़ता है। अध्यापक शिक्षकद्वारा अपनायी गई कार्यशैली ही उनके छात्राध्यापकों के लिए अनुकरणीय एवं प्रभावी होती है। विभिन्न अध्यापक शिक्षक अपने कार्यों को परिणत करने के लिए अलग–अलग रूप से कार्य करना पसंद करते हैं। मिश्रा (2003) के अनुसार अध्यापकों की विभिन्न मानसिक शारीरिक सामाजिक, वातावरणीय व्यावसायी अभिवृत्ति एवं संवेदी आदि तत्वों के प्रति प्रदत्त वरीयताओं का कुल योग उनकी कार्यशैली को व्यक्त करता है। आप ने एक अध्यापक शिक्षक की कार्यशैली को 9 भागों में विभाजित किया है। (1) विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक, (2) उत्तरदायित्वपूर्ण बनाम उत्तरदायित्व मुक्त (3) क्षेत्र स्वंतत्र बनाम क्षेत्र आधारित, (4) लघु–सातत्य बनाम दीर्घ–सातत्य प्रधान, (5) नमनीय बनाम अनमनीय, (6)अभिप्रेरणा–केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित, (7) वातावरण–सापेक्ष बनाम वातावरण–निरपेक्ष, (8) वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक, तथा (9) दृश्यात्मक बनाम श्रवणात्मक कार्यशैली।

एक अध्यापक शिक्षक का कार्य और उसकी कार्यशैली वरीयताएँ सदैव उसकी बुद्धि से प्रभावित होती है। विशेष रूप से उसके पद, उसकी गरिमा व उसके कार्यों में पायी जाने वाली सृजनात्मकता, मूल्य चेतना, आत्म चेतना, विवेकशीलता, अन्तर्दृष्टि, विश्वास और आत्म सम्मान जैसे आयामों का सीधा सम्बन्ध उसकी आध्यात्मिक बुद्धि (आ.बु.) से होता है। कुमार एवं मेहता (2001) के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि से तात्पर्य एक व्यक्ति के जीवन में सामाजिक रूप से प्रासंगिक उद्देश्यों को धारण करने के लिए स्व को समझने और मानवीय मूल्यों के लिए विवेक, करूणा और प्रतिबद्धता के उच्च स्तर की क्षमता से है। जोहर एवं मार्शल (2000) के अनुसार वह बुद्धि जिसके साथ हम संबोधित करते हैं और मूल्य व अर्थ से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान करते हैं, वह बुद्धि जिसके साथ हम अपने जीवन और कार्य के लिए एक व्यापक और समृद्ध अर्थ देने वाले संदर्भ का आकलन कर सकते हैं, वह बुद्धि जिसके साथ हम कार्यवाही के एक कोर्स और जीवन पथ की अधिक सार्थक तुलना कर सकते हैं आध्यात्मिक बुद्धि है। अध्यापक शिक्षकों को उनकी आध्यात्मिक बुद्धि के आधार पर उच्च एवं निम्न स्तर में वर्गीकृत किया जा सकता है पूर्ववर्ती शोध कार्यों में यद्यपि आध्यात्मिक बुद्धि एवं कार्यशैली पर भिन्न–भिन्न चरों के साथ अध्ययन किया गया है किन्तु दोनों का साथ व लिंगगत भिन्नता के सन्दर्भ में अध्ययन भारत या विदेश में सम्पन्न हुए अध्ययनों में प्राप्त नहीं हुआ। अतः शोधकर्ताओं ने अध्यापक शिक्षा संस्थानों में कार्यरत उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले महिला एवं पुरूष अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली का अध्ययन करने की आवश्यकता महसूस की।

शोध परिकल्पना:– लिंगगत आधार पर अध्यापक शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताओं का उनकी उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से साहचर्य है या नहीं यह जानने के लिए शून्य परिकल्पना 'लिंगगत आधार पर अध्यापक शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताएँ उनकी उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से स्वतंत्र हैं' का विकास किया गया।

अध्ययन विधि:– प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है।

न्यादर्श प्रविधि:– इस अध्ययन के अन्तिम रूप से चयनित न्यादर्श में जयपुर जिले के राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के कुल 596 एवं जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के 93 अध्यापक शिक्षकों का चयन विभिन्न स्तरों पर यादृच्छिक स्तरीकृत गैर आनुपातिक न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया।

शोध परिकल्पना:– अध्ययन के उद्देश्यानुसार अध्यापक शिक्षकों की उच्च एवं निम्न आध्याात्मिक बुद्धि को जानने के लिए 'आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण' का विकास एवं प्रमापीकरण किया गया। कार्यशैली वरीयताओं के मापन हेतु मनोज कुमार शर्मा (2008) द्वारा निर्मित 'कार्यशैली अनुसूची' का प्रयोग किया।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ एवं प्रदत्तों का विश्लेषण::– लिंगगत भिन्नता के आधार पर उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली वरीयताओं का अध्ययन करने हेतु 2ग2 की आसंग सारणियाँ निर्मित करते हुए प्रत्येक कार्यशैली के प्रति प्रदर्शित वरीयताओं के काईवर्ग मानों का प्रस्तुतीकरण अग्रांकित सारणी में किया गया है–

क्र. सं.	लिंगगत आधार	कार्यशैली प्रकार	आध्यात्मिक बुद्धि		काईवर्ग का परिकलित मान
			उच्च	निम्न	
1.	महिला	विश्लेषणात्मक	69	60	0.45*
		पूर्णात्मक	41	43	
	पुरूष	विश्लेषणात्मक	67	49	7.54*
		पूर्णात्मक	32	52	
2.	महिला	उत्तरदायित्वपूर्ण	73	68	0.003*
		उत्तरदायित्व मुक्त	37	35	
	पुरूष	उत्तरदायित्वपूर्ण	78	69	2.84*
		उत्तरदायित्व मुक्त	21	32	
3.	महिला	क्षेत्र–स्वंतत्र	76	60	2.71*
		क्षेत्र–आधारित	34	43	
	पुरूष	क्षेत्र–स्वंतत्र	68	62	1.17*
		क्षेत्र–आधारित	31	39	
4.	महिला	लघु–सातत्य	29	35	1.47*
		दीर्घ–सातत्य	81	68	
	पुरूष	लघु–सातत्य	25	25	0.007*
		दीर्घ–सातत्य	74	76	
5.	महिला	नमनीय	73	29	31.12*
		अनमनीय	37	74	
	पुरूष	नमनीय	75	19	65.08*
		अनमनीय	24	82	
6.	महिला	अभिप्रेरणा–केन्द्रित	69	62	0.15*
		अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित	41	41	
	पुरूष	अभिप्रेरणा–केन्द्रित	71	69	0.27*
		अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित	28	32	
7.	महिला	वातावरण–सापेक्ष	29	86	69.89*
		वातावरण–निरपेक्ष	81	17	
	पुरूष	वातावरण–सापेक्ष	32	84	53.06*
		वातावरण–निरपेक्ष	67	17	

Volume : 6 | Issue : 4 | April 2016 | ISSN - 2249-555X | IF : 3.919 | IC Value : 74.50

8.	महिला	वैयक्तिक	11	30	12.51*
		गैर वैयक्तिक	99	73	
	पुरूष	वैयक्तिक	25	27	0.06*
		गैर वैयक्तिक	74	74	
9.	महिला	दृश्यात्मक	58	90	30.12*
		श्रवणात्मक	52	13	
	पुरूष	दृश्यात्मक	63	84	9.79*
		श्रवणात्मक	36	17	
मुक्तांश 1 व सार्थकता के 0.05 विश्वास स्तर पर काई वर्ग का सारणी मान =3.841					
सार्थक'' सार्थक नहीं'					

उपर्युक्त सारणी के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि महिला एवं पुरूष दोनों अध्यापक शिक्षकों की उत्तरदायित्वपूर्ण बनाम उत्तरदायित्व मुक्त कार्यौली, क्षेत्र–स्वतंत्र बनाम क्षेत्र–आधारित कार्यशैली, लघु–सातत्य बनाम दीर्घ–सातत्य प्रधान कार्यशैली, अभिप्रेरणा–केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित कार्यशैलियों पर एवं महिला अध्यापक शिक्षकों की विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक कार्यशैली तथा पुरूष अध्यापक शिक्षकों की वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली के प्रति प्रदत्त वरीयताओं के परिकलित काईवर्ग मान मुक्तांश 1 व .05 के विश्वास स्तर पर काई वर्ग के सारणी मान से कम हैं। अतः शून्य परिकल्पना 'लिंगगत आधार पर अध्यापक शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताएँ उनकी उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से स्वतंत्र हैं' उत्तरदायित्वपूर्ण बनाम उत्तरदायित्व मुक्त कार्यशैली, क्षेत्र–स्वतंत्र बनाम क्षेत्र–आधारित कार्यशैली, लघु–सातत्य बनाम दीर्घ–सातत्य प्रधान कार्यशैली, अभिप्रेरणा–केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित कार्यशैली पर तथा महिलाओं की विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक कार्यशैली, पुरूषों की वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली के लिए स्वीकृत होती है तथा दोनों ही (महिला, पुरूष) की नमनीय बनाम अनमनीय, वातावरण–सापेक्ष बनाम वातावरण–निरपेक्ष, दृश्यात्मक बनाम श्रवणात्मक तथा पुरूषों की विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक, महिलाओं की वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली के लिए अस्वीकृत होती है। अतः शोध परिकल्पना 'लिंगगत आधार पर अध्यापक शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताएँ उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से स्वतंत्र नहीं हैं'', दोनों ही (महिला और पुरूष अध्यापक शिक्षकों) की नमनीय बनाम अनमनीय कार्यशैली, वातावरण–सापेक्ष बनाम वातावरण–निरपेक्ष कार्यशैली, दृश्यात्मक बनाम श्रवणात्मक कार्यशैली तथा पुरूषों की विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक कार्यशैली, महिलाओं में वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली के लिए स्वीकृत होती है किन्तु दोनों ही (महिला और पुरूष अध्यापक शिक्षकों) की उत्तरदायित्वपूर्ण बनाम उत्तरदायित्व मुक्त कार्यौली, क्षेत्र–स्वतंत्र बनाम क्षेत्र–आधारित कार्यशैली, लघु–सातत्य बनाम दीर्घ–सातत्य प्रधान कार्यशैली, अभिप्रेरणा–केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित कार्यशैली पर व महिलाओं में विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक कार्यशैली, पुरूषों में वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली के लिए अस्वीकृत होती है।

इससे यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि लिंगगत आधार पर अध्यापक शिक्षकों की उत्तरदायित्वपूर्ण बनाम उत्तरदायित्व मुक्त कार्यशैली, क्षेत्र–स्वतंत्र बनाम क्षेत्र–आधारित कार्यशैली, लघु–सातत्य बनाम दीर्घ–सातत्य प्रधान कार्यशैली, अभिप्रेरणा–केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा–गैर केन्द्रित कार्यशैली एवं महिलाओं की इनके अतिरिक्त विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक कार्यशैली तथा पुरूषों की वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताएँ उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से स्वतंत्र हैं। जबकि लिंगगत आधार पर अध्यापक शिक्षकों की नमनीय बनाम अनमनीय कार्यशैली, वातावरण–सापेक्ष बनाम वातावरण–निरपेक्ष कार्यशैली, दृश्यात्मक बनाम श्रवणात्मक कार्यशैली एवं इसके अतिरिक्त पुरूषों की विश्लेषणात्मक बनाम पूर्णात्मक कार्यशैली, महिलाओं में वैयक्तिक बनाम गैर वैयक्तिक कार्यशैली पर प्रदत्त वरीयताएँ उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि से स्वतंत्र नहीं हैं।

निष्कर्ष विवेचना एवं शैक्षिक निहिताथ :– सारणी में प्रस्तुत प्रदत्तों के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों में कार्यरत अधिकांश उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले महिला एवं पुरूष अध्यापक शिक्षक विश्लेषणात्मक, उत्तरदायित्वपूर्ण, क्षेत्र स्वतंत्र, दीर्घ–सातत्य प्रधान, अनमनीय, अभिप्रेरणा–केन्द्रित, वातावरण–सापेक्ष, गैर वैयक्तिक, दृश्यात्मक कार्यशैली वाले होते हैं। अर्थात् यह उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाले अध्यापक शिक्षक विश्लेषणात्मक एवं तार्किक चिन्तन करते हुए विस्तार के साथ एकदम ठीक काम करते हैं। एक बार दायित्व स्वीकार कर लेने के पश्चात् निष्ठा के साथ कार्य करते हैं चाहे कोई उनका पर्यवेक्षण करे या ना करे। यह सुधारात्मक प्रतिपुष्टि एवं नकारात्मक मूल्यांकन का उपयोग अधिक उत्कृष्ट प्रयास के लिए करते हैं। यह अध्यापक दीर्घ अवधि तक चलने वाले कार्यक्रमों, गतिविधियों, कार्यों में अधिक उत्साह के साथ कार्य कर पाते हैं। यह नियमित अथवा पूर्व निधारित कार्यक्रम के अन्तर्गत अच्छी तरह कार्य करते हैं। इन्हें कार्य के लिए प्रेरणा देने वाले प्रोत्साहक या मानदेय की आवश्यकता महसूस नहीं होती है। कार्यस्थल पर उपलब्ध विभिन्न सामग्री एवं सुविधाओं की अनुपलब्धता इनके कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

यह अध्यापक शिक्षक व्यक्तिगत रूप से प्राप्त लक्ष्य की तुलना में सामूहिक लक्ष्य के प्रति अधिक सक्रिय होते हैं। अमूर्त की तुलना में मूर्त चिन्तन करते समय सहजता का अनुभव करते हैं। जो अध्यापक शिक्षक अनमनीय कार्यशैली का अधिक वरीयता देते हैं उसमें सुधार करने हेतु समय–समय पर ऐसी वैज्ञानिक विधि पर आधारित संगोष्टियों का आयोजन किया जाना चाहिए जिनसे अध्यापक शिक्षकों व विद्यार्थियों के नवीन जिज्ञासा व्यवहार को संतुष्ट व विकसित किया जा सके। दृश्यात्मक कार्यशैली की प्रवृत्ति में सुधार करने हेतु अध्यापक शिक्षकों के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए जो उनकी सभी ज्ञानेन्द्रिय क्षमताओं का विकास कर सकें। संस्था प्रधानों द्वारा भी ऐसे प्रयास किये जाने चाहिए ताकि अध्यापक शिक्षक अच्छे श्रोता भी बन सकें। विभिन्न विषयों पर वार्ताओं के आयोजन, विचार–विश्लेषण, योगाभ्यास व ध्यान द्वारा कार्यशैली का विकास किया जाना संभव है। किसी भी व्यक्ति की कार्यशैलियों में तत्काल आमूलचूल परिवर्तन करना संभव नहीं है। लेकिन छात्राध्यापकों व अध्यापक शिक्षकों के हित साधन एवं शैक्षिक जगत की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सतत् प्रयास एवं अभ्यास से कार्यशैली में सुधार लाया जा सकता है तथा तत्कालीन कार्यशैली वरीयताओं का प्रयोग अध्यापक शिक्षा संस्था प्रधान, शैक्षिक नियोजक, एन.सी.ई.आर.टी, एन.सी.टी.ई. व अन्य शैक्षिक संस्थाओं द्वारा संकल्पित योजनाओं के निर्माण हेतु किया जा सकता है।

संदर्भ–सूची

1. डन, रीटा एण्ड प्रेशनिंग, बारबरा. वर्किंग स्टाइल्स एनालिसिस, कार्पोरेट वर्जन, एट http://timesofindia. Indiatimes.com
2. कुमार, वी.वी. एण्ड मेहता, एम. (2011). गेनिंग अडेप्टिव ऑरियन्टेशन थ्रू स्प्रिचुअल एण्ड इमोशनल इन्टेलिजेन्स, इन ए. के. चौहान एण्ड एस. एस. नाथावत (एडिशन) न्यू फेक्टस ऑफ पॉजिटिविज्म् (281–301) देहली मेकमिलन पब्लिशर्स् इण्डिया
3. मिश्रा, मुरलीधर (2003). अध्यापकों की कार्यशैली का अध्ययन, स्वतंत्र अध्ययन वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान.
4. शर्मा, मनोज कुमार (2008). विभिन्न वैयक्तिक कारकों के सन्दर्भ में अध्यापकों की कार्यशैली का अध्ययन, पीएच. डी, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय.
5. द टाइम्स ऑफ इण्डिया (2010). वाट इज स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी? एट http://timesofindia. Indiatimes.com
6. वुजोन, टोनी (2001). 'द पावर ऑफ स्पिरिच्युअल इन्टेलिजेन्स, हरबर कोलिन्स. एट www.creativelearningcentre.com
7. ज़ोहर, डी. एण्ड मार्शल, आई. (2000). एस.क्यू– स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स द अल्टीमेट इन्टेलिजेन्स, लंदन, ब्लूम्सबरी.